



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

## समाचार पत्र का नाम.

दिनांक २१.१.२०२४ पृष्ठ संख्या ३ कॉलम १-५-

बदलाव

45 वर्ष में तिलहन फसलों का बढ़ा क्षेत्र, कुलपति ने तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

सरसों की हाईब्रिड किस्म तैयार करने की दिशा में जुटे विज्ञानी

जागरण संघदाता, हिसार : वर्तमान में कम गुणवत्ता वाले खानपान के कारण लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। खाद्य पदार्थों में तेल का भी प्रमुख योगदान है। खाने में कौन सी किस्म का तेल प्रयोग करें इसको लेकर असमंजस की स्थिति बनी रहती है।

इसी समस्या को दूर करने का काम चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचप्यु) में किया जा रहा है। एचप्यु के तिलहन अनुबाद के विज्ञानी मनुष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए तेल की महत्ता व गणवत्ता को बढ़ाने के लिए शोध कार्य रह रहे हैं।

संकर किस्मों को कर रहे विकसित : इसके लिए वह अब संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य कर रहे हैं। शुक्रवार को विज्ञानियों का शोध देखते एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह पहुंचे। उन्होंने तिलहन बढ़ोत्तरी को लेकर कई जानकारियां साझा की।



विश्वविद्यालय के तिळहन अनुभाग के अनसंवाद क्षेत्र में कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व जनकारी देते वैज्ञानिक। ● पीएसओ।

संरसों की यह किसा हुरियाणा सहित दसरे गज्जों में दे रही पैदावार

विकसित सरसों की आर एवं 725 उन्नत किस्म बारानी व सिंचित क्षेत्र के लिए समय पर बिजाई के लिए उत्तम किस्म मानी जाती है। तितलन अनुभाग के अध्यक्ष डा. रमणपत्र ने बताया कि इस किस्म की ओसत पैदावार भी 25-26 विंग्टल प्रति हेक्टेयर है और लगभग 40 फीट है कि इस किस्म हरियाणा बलिक्प्रदेश, पंजाब व अधिक मांग है।

45 वर्षों में तिलहन 464 से 2018  
किलोग्राम प्रति हेक्टेयर

प्रदेश को मुख्य रूप से धान और गेहू के लिए जाना जाता है। मगर पिछले 45 वर्षों में तिलहन ने भी अब अपनी ठीक टाक जगह बना ली है। कृषि महिलाओं द्वारा उत्पादन के अधिकारा व आनुवांशिकी एवं पौधे प्रजनन विभाग के अध्यक्षा डा. एके छावड़ा ने बताया वर्ष 1972-73 में तिलहन की पौधावार जहां 464 किलोग्राम प्रति हेक्टेएर होती थी जो 2018 तक 2018 किलोग्राम प्रति हेक्टेएर तक पहुंच चुकी है। खास बात यह है कि एचप्पू ने अब तक राया व सरसों की 20 किलोग्राम की विक्रियता की है, जिसमें 11 राज्य व 9 राष्ट्रीय स्तर की है।

**कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। प्रदेश में तिलहन अनुभाग के दैज़ानियों द्वारा विकसित सरसों व राया की उन्नत किस्मों से ही उत्पादन में अद्वितीय बढ़ोत्तरी हुई है, जो विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। हमने विज्ञानियों से सभी फसलों की हाइब्रिड किस्मों को विकसित करने के बारे में कहा है।**

-ग्रो समर सिंह, कुलपति, एचए।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

*मैनक सैरा*

दिनांक .2.1.2026. पृष्ठ संख्या.....7.....कॉलम.....3-6.....

हक्की कुलपति ने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

### वैज्ञानिकों की नई किस्मों व तकनीक अपना रहे किसान : प्रो. समर

हिसार, 1 जनवरी (सुरेन्द्र सोढ़ी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लिया। इस मौके पर कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई नई तकनीकों व विभिन्न किस्मों की उत्तमता किस्मों को किसानों द्वारा अपनाया जाना ही वैज्ञानिकों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। वैज्ञानिक किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए विभिन्न माध्यमों से उनकी आय में बढ़ातरी के लिए ध्यासरत है।

उन्होंने कहा कि कुं बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहुंच से बाहर होती है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इसलिए कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान



विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह व जानकारी देते वैज्ञानिक।

#### पांच गुण बढ़ा राया व तिलहन का उत्पादन : डॉ. ए.के. छबड़ा

कृषि महाविद्यालय के अधिकारी व आनुवाचिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छबड़ा ने बताया कि वर्ष 1972-73 में राया व सरसों का उत्पादन प्रति हेक्टेयर 464 किलोग्राम था जो वर्ष 2017-18 में बढ़कर 2018 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गया है, जो विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उल्लंघन है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों की 20 किस्मों को विकसित किया है, जिसमें 11 राज्य व 9 राष्ट्रीय स्तर की हैं। मनुष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए तेल की महता व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है।

की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उत्पादन की कीमत व उसके अधिकाधिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी

सरसों व राया की विभिन्न किस्मों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने कुलपति महोदय को सरसों व राया की विभिन्न किस्मों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहाँ से विकसित सरसों की आर एच 725 ऊत्र किस्म बारानी व रिंचित क्षेत्र के लिए समय पर बिजाई के लिए ऊत्र मिस्म है। इसकी औसत पैदावार भी 25-26 किंटल प्रति हेक्टेयर है और इसमें तेल की मात्रा भी लगभग 40 प्रतिशत तक होती है। यही कारण है कि इस किस्म के बीज की न केवल हरियाणा बल्कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब व विहार में भी बहुत अधिक मांग है।

अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. नीरज कुमार, डॉ. दलीप सिंह, डॉ. राकेश पूनिया, डॉ. निशा, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. नीता लाकड़ा, डॉ. विवेक, डॉ. महावीर, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. मनजीत, रोहित आदि मौजूद थे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

दिनांक 21.02.2021 पृष्ठ संख्या 4 कॉलम 6-8

### 'हर किसान तक हो नई तकनीक की पहुंच'

हकृति के कुलपति ने तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र का लिया जायजा

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृति) के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई नई तकनीकों व विभिन्न किस्मों की उन्नत किस्मों को किसानों द्वारा अपनाया जाना ही वैज्ञानिकों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है।

वैज्ञानिक किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए विभिन्न माध्यमों से उनकी आय में बढ़ोतारी के लिए प्रयासरत है। यह बात उन्होंने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के बाद वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि कई नार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहुंच से बाहर



कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते कुलपति प्रो. समर सिंह। अमर उजाला

होती है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इसलिए कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके फसलों की हाइब्रिड किस्मों को विकसित करने पर जोर दें। इस दौरान कुलपति ने अनुसंधान कार्यों के अलावा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर डॉ. एक छाबड़ा, डॉ. रामअवतार, डॉ. एमएस सिद्धपुरिया, डॉ. नीरज कुमार, डॉ. दलीप आदि मौजूद रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....प्रैनिक मार्कट

दिनांक २०।।। २०२१ पृष्ठ संख्या २ कॉलम ५

वीसी ने तिलहन अनुभाग के  
अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे  
प्रयोगों का लिया जायजा

हिसार | एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहा कि विवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की नई तकनीकों व विभिन्न उन्नत किस्मों को किसानों द्वारा अपनाया जाना वैज्ञानिकों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। ये विचार उन्होंने विवि के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के बाद वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने सरसों व राया की विभिन्न किस्मों के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर कुलपति के ओएसडी डॉ. एम.एस. सिद्धपुरिया के अलावा अनुभाग के वैज्ञानिक डॉ. नीरज कुमार, डॉ. दलीप सिंह, डॉ. राकेश पूनिया, डॉ. निशा, डॉ. विनोद गायल, डॉ. नीता लाकड़ा, डॉ. विवेक, डॉ. महावीर, डॉ. राजवीर सिंह, डॉ. मनजीत और रोहित आदि मौजूद रहे।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम..... दीर्घपांडुका

वैज्ञानिकों की नई किस्मों व तकनीकों को किसानों द्वारा  
अपनाना ही सबसे बड़ी उपलब्धि : प्रोफेसर समर सिंह

एचएयू कुलपति ने  
विश्वविद्यालय के तिलहन  
अनुभाग के अनुसंधान  
क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का  
लिया जायजा

वाटिका@हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई नई तकनीकों व विभिन्न किस्मों की उन्नत किस्मों को किसानों द्वारा अपनाया जाना ही वैज्ञानिकों के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि है। वैज्ञानिक किसानों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए विभिन्न माध्यमों से उनकी आय में बढ़ोतरी के लिए प्रयासरत है।



ये विचार उन्होंने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इजाद कर लिया जाता है, जो आम किसान की पहचं से बाहर

होती है, ऐसे में किसान को उसका फायदा नहीं मिल पाता। इसलिए कृषि क्षेत्र में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हर किसान की पहुंच तक होनी चाहिए। किसी भी उपकरण की कीमत व उसके अधिकाधिक उपयोग को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक खोजनी चाहिए। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में तिलहन

अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित सरखें व राया की उन्नत किस्मों से ही उत्पादन में अद्वितीय बढ़ोत्तरी हुई है, जो विश्वविद्यालय के लिए गौरव की बात है। इसी वजह से विश्वविद्यालय की तिलहन अनुभाग की टीम को वर्ष 2012-13 व 2015-16 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। इस दौरान कुलपति महोदय ने अनुसंधान कार्यों के अलावा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं का भी अवलोकन किया। उन्होंने वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि वे सभी फसलों की हाइब्रिड किस्मों को विकसित करने पर जोर दें। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अनुसंधान कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी पूरी लगन व मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पांच बजे

दिनांक 1.....1.....2021.....पृष्ठ संख्या.....कॉलम.....

एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

**किसानों का वैज्ञानिकों की नई किस्मों व तकनीकों को अपनाना ही सबसे बड़ी उपलब्धि : प्रो. समर सिंह**

पांच बजे लेख

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने उक्त विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई नई तकनीकों व विभिन्न किस्मों की उत्तर विकास को किसानों द्वारा अपनाया जाना ही वैज्ञानिकों के लिए बहुत उत्साहित है। वैज्ञानिक किसानों की अधिक स्थिति को ध्यान में स्थान द्वारा विभिन्न मायथमों से उनकी आय में बढ़ोतारी के लिए प्रयासरत है। ये विचार उक्त विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत वैज्ञानिकों को सम्बोधित करने हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कई बार देखने में आया है कि ऐसी तकनीक व उपकरण को इंजाट कर लिया जाता है, जो आम किसान को लूप्च में बहात होता है, लेकिन में किसान को उसका पालन करनी मिल पाता। इसीलिए कृषि लूप्च में विकसित की जाने वाली नई तकनीक हार किसान को पूर्व तक होनी चाहिए। किसी



भी उपकरण की कीमत व उसके अधिकारीक उपकरण को ध्यान में रखकर ही नई तकनीक स्थानीय चालिए। प्रोफेसर समर सिंह ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में तिलहन अनुभाग के वैज्ञानिकों द्वारा विश्वविद्यालय की ताकत व विभिन्न किस्मों से ही उत्पादन में व राया की उत्तर किस्मों से ही उत्पादन में अद्वितीय बढ़ोतारी हुई है, जो विश्वविद्यालय के लिए गोरख को चाहत है। इन्होंने वैज्ञानिकों से

आल्कान किया कि वे सभी किस्मों को विकसित किये जाएं ताकि वे विकसित करने पर जाएं। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा लिए गए अनुसंधान कार्यों की स्थाना करते हुए भवित्व में भी पूरी तरफ व मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

लगभग पाँच गुण बड़ा राया व तिलहन का उत्पादन : डॉ. ए.के. छावड़ा

कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी व आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छावड़ा ने बताया कि वर्ष 1972-73 में राया व सरसों का उत्पादन प्रति हेक्टेएर 464 किलोग्राम था जो वर्ष 2017-18 में बढ़कर 2018 किलोग्राम प्रति हेक्टेएर हो पहुंचा है, जो विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों को 20 किसियों को विकसित किया है, जिसमें 11 राया व 9 गान्धीव सरत को है। इसके स्वामय का व्यवहार रखते हुए नेतृत्व की महत्वा व योगता जो बड़ाने के लिए अवशोकन किया। उन्होंने वैज्ञानिकों को अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को

विकसित करने का कार्य प्रारंभित पर है।

तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रमेशलता ने कूलपति महोदय को स्वास्थ्य व राया की विभिन्न किस्मों के लिए विकासरूपीकरण कार्यकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां से विकसित सरसों की आर एच 725 उत्पादन कारबों व सिंचन बोंबों के लिए समर्पित किया है।

लगभग पाँच गुण बड़ा राया व तिलहन का उत्पादन : डॉ. ए.के. छावड़ा

कृषि विश्वविद्यालय के अधिकारी व आनुवांशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छावड़ा ने बताया कि वर्ष 1972-73 में राया व सरसों का उत्पादन प्रति हेक्टेएर 464 किलोग्राम था जो वर्ष 2017-18 में बढ़कर 2018 किलोग्राम प्रति हेक्टेएर हो पहुंचा है, जो विश्वविद्यालय के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों को 20 किसियों को विकसित किया है, जिसमें 11 राया व 9 गान्धीव सरत को है। इसके स्वामय का व्यवहार रखते हुए नेतृत्व की महत्वा व योगता जो बड़ाने के लिए अवशोकन किया। उन्होंने वैज्ञानिकों को अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

दिनांक ।।।।। २०२१ पृष्ठ संख्या ।।।।। कॉलम ।।।।। ३-४

• शहर की शान : एचएयू, जीजेयू, लुवासा, सीआईआरबी, आईटीआई ने एजुकेशन में दिलाई पहचान  
शिक्षा, शोध और खोज में हिसार के वैज्ञानिकों की कायल है पूरी दुनिया

**एचएस० अटल रैकिंग में देश में सर्वोत्तम कृषि विश्वविद्यालय**

- » अटल रैकिंग में एचएस० बना देश का सर्वोत्तम कृषि विश्वविद्यालय, जिसके कानूनी वार्षिकीय विभाग में बड़ा हिस्सांशकारी का गोदाव।
- » सरकारी व सरकारी सहायता प्राप्त विश्वविद्यालयों के बाहे विश्वविद्यालयों की श्रेणी में एचएस० देशभर में तीसरा नाम पाया।
- » विश्वविद्यालयों की ओर से इचै रैकिंग के द्वारा 2019 में आवेदन किया।
- » आंतर्राष्ट्रीय रैकिंग में एचएस० को देश में तीसरा स्थान मिला।
- » एचएस० ने देशभर के विश्वविद्यालयों के लिए गहरा योगदान किया है जिसमें 25 विश्वियों को तैयार करने में सक्षमता पाई।

**तुवास • आईसीएआर रैकिंग में यूनिवर्सिटी टीसरे स्थान पर**

- » आईसीएआर रैकिंग में लाता लाजपता रथ यूनिवर्सिटी आईसीएटी बेटोन के पानीमय सालिक में वेटेमी विधि में दूसरे तीसरा स्थान पाया। पहले तीव्र स्थान 1 वेट व्यून पर था, एक व्यून में आठ पायदान बहुत हैं।
- » विधि में प्रदर्शन का एकमात्र इन दिनों परिवर्तनीजनन लेवल को तीव्र, जिसमें प्रियोरिटी 20 ट्रक्स की तीनांती की गई है, जिसके माध्यम से अच्छे नस्ल के बड़े हैं पेड़ दिखा रहे।
- » प्रवास इहान से अधिक पश्चात्याकृतों को अंतर्राष्ट्रीय ट्रॉफी देने वाली विधियों से बचाया के लिया दिये गए।

**जीतेंद्र • ओवरआॉल कैटेगिरी में भारत में 19वें पायदान पर**

- » दा टाइम्स लायर पर्पुक्शन्स चॉर्च वर्ल्ड ग्लोबल ऑफिसर्सीटी रैंकिंग में 83 से 1000 तक छह में सितारा स्थान, भारत में ऑवरआॉल कैटेगिरी में जीतेंद्र का 19वां स्थान।
- » नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग प्रेमियमके 2020 में डिडेंस को सितारा 9वां स्थान।
- » फारमांस में ऑवरआॉल इडीया में 3 त्रिवा स्थान और मैट्रिक्स चॉर्च मोर्टर स्टेक्षन रैंकिंग इडीयोशन 2020 में मिला 12वां स्थान।
- » अटल रोग्य ऑफ इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियरिंग एंड एम्यूटेंट 2020 में बायोसिन्टी ने 6 से 25 तक के बीच बनाया स्थान।
- » योग्यविधिसंगीत एच डेक्सर-28

**सीआईआरवी • एक साथ  
मैंस के 8 वर्लोन का रिकॉर्ड**

- » संस्थान के वैज्ञानिकों ने प्रयोग नस्त भैंस के 8 वर्लोन और हिसार गोवर्जन कांठ का रिकॉर्ड तैयार कर देखा से लेकर विदेश भर में प्रसिद्धि पाई।
- » मीठी गोवर्जन का कम करने के लिए विदेशी प्रकार की किट तैयार की गई।
- » पशुओं में 21 दिन के अंदर ही गोवर्जनी होने का पाठ लाने के लिए प्रयोग किया तैयार की गई, जिसमें करोड़ चार साल का समय लगा।
- » संस्थान ने हरियाणा, रुपीने व राजस्थान के 50 हजार किलोमीटर को पशुगणना व बीमारियों से बचाव की देखी गई।

**आईआईआर० संस्थान के 180 विद्यार्थियों को मिला रोजगार**

» शहर के राजनीतीय व्यक्तिगतीकों के 180 छात्रों का सिंसिटिविस्म विभाग कार्यालय में अपने कैरियर इन्डस्ट्रीज़ के जरूरी साल में हुआ। प्रशासनाचार्य राजीव संसदीयन में बताया कि यह इन्हें एक अद्यतन माध्यम तथा टेलीफोनिक टक्के द्वारा प्रभाव कुराना न बताया कि राजनीतीय व्यक्तिगतीकों हड्डी की स्थानान्तर को 25 से अधिक बार घर आये हों। यहाँ आइआर० सिंसिटिविस्म राजनीतीय व अंतर्राष्ट्रीय कार्यालयों में उपर्युक्त पद का उपचार है। 2020 बैच के विद्यार्थियों से 180 छात्रों का चयन हुआ है। एटीएसी सुनील नीरंजन ने बताया कि विद्यार्थी हरसंघ से चार संस्टेट्स का चयन हुआ है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....  
दिनांक ।.....।.....2021.....पृष्ठ संख्या.....5.....कॉलम.....3-8.....

# • शहर की शान : एचएयू, जीजेयू, लुगास, सीआईआरबी, आईटीआई ने एजुकेशन में दिलाई पहचान शिक्षा, शोध और खोज में हिसार के वैज्ञानिकों की कायल है पूरी दुनिया

### एचएयू • अटल रैंकिंग में देश में सर्वोत्तम कृषि विश्वविद्यालय

- » अटल रैंकिंग में एचएयू बना देश का सर्वोत्तम कृषि विविधि, शिक्षा क्षेत्र में बड़ा हाइयाणा का गौरव।
- » सरकारी व सरकारी संस्थानों प्राप्त विश्वविद्यालयों के सभी विश्वविद्यालयों की श्रेणी में एचएयू देशभर में तीसरे स्थान पर।
- » विश्वविद्यालयों की ओर से इस रैंकिंग के लिए 2019 में आवदन किया
- » आईसीएआर रैंकिंग में एचएयू को देश में तीसरा स्थान मिला।
- » एचएयू ने देशभर के किसानों के लिए गेहूं, जई समेत 25 किसियों को तैयार करने में सफलता पाई।

**लुगास • आईसीएआर रैंकिंग में यूनिवर्सिटी तीसरे स्थान पर**

- » आईसीएआर रैंकिंग में लगाता लाजपत राय यूनिवर्सिटी ऑफ बेट्सरी एडी एनीमल साइंस ने बैटरनरी विविधि में देश में तीसरा स्थान पाया। पहले यह स्थान 11वें स्थान पर था, एक प्रयास में आठ पायदान बढ़े।
- » विविधि में प्रदेश की एकमात्र इन विद्या पाटिलाहजशन लैब शुरू की गई, जिसमें फिलहाल 20 स्टूफ की तैनाती की गई है, जिसके माध्यम से अच्छे नस्ल के बछड़े पैदा किए जा सकेंगे।
- » पचास हजार से अधिक पशुपालकों को ऑनलाइन ट्रेनिंग देकर जीमारियों से बचाव के टिप्पण दिए गए।

### जीजेयू • ओवरऑल कैटेगिरी में भारत में 19वें पायदान पर

- » दा टाइम्स हायर एजुकेशन वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 801 से 1000 रैंक बैंड में मिला स्थान, भारत में ओवलऑल कैटेगिरी में जीजेयू का 19वां स्थान।
- » नेशनल इंस्टीटियूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क 2020 में स्टूडेंट्स को मिला 94वां स्थान।
- » कार्मसी में ऑलओवर इंडिया में 31वां स्थान
- » ग्रीन प्रैट्रॉफ वल्ड मोर्ट स्ट्रेनेकेल रैंकिंग इंडिनेशिया 2020 में मिला 12वां स्थान।
- » अटल रैंकिंग ऑफ इंस्टीटियूशन ऑन इनोवेशन एवीवर्क 2020 में यूनिवर्सिटी ने 6 से 25 बैंड के बीच बनाया स्थान।
- » यूनिवर्सिटी एच डेंड्रेस-28

### सीआईआरबी • एक साथ भैंस के 8 वलोन का रिकॉर्ड

- » संस्थान के वैज्ञानिकों ने मुराह नस्ल भैंस के 8 वलोन और हिसार गौव वलोन का रिकॉर्ड तैयार कर देश से लेकर विदेश तक 80 में प्रसिद्धि पाई।
- » यैथेन गैस को कम करने के लिए विशेष प्रकार की विट तैयार की गई।
- » पशुओं में 21 दिन के अंदर ही गर्भवती होने का पता लगाने के लिए प्रेनेसी विट तैयार की गई, जिसमें करीब चार साल का समय लगा।
- » संस्थान ने हरियाणा, यूपी व राजस्थान के 50 हजार किसानों को पशुपालन व बीमारियों से बचाव की ट्रेनिंग दी।

### आईटीआई • संस्थान के 180 विद्यार्थियों को मिला रोजगार

- » शहर के राजकीय बहुतकालीनों के 180 छात्रों ने सिलेक्शन विभिन्न कंपनियों में ऑफ कैम्पस इंटरव्यू के जरिये साल में हुआ। प्रधानाचार्य राजीव सरदाना ने बताया कि यह इंटरव्यू अंकलालन मोड तथा टेलीफोनिक हुए।
- » टीपीओ प्रदीप कुमार ने बताया कि राजकीय बहुतकालीनों हिसार की स्थान को 25 से अधिक वर्ष हो चुके हैं। पास आउट विद्यार्थी विभिन्न गट्टीय व अंतर्राष्ट्रीय कंपनियों में डच पदों पर कायरित है। 2020 बैच के विभिन्न विभागों से 180 छात्रों का चयन हुआ है।
- » एटीपीओ सुनील भुटानी ने बताया कि पिछले हफ्ते ही चार स्टैंडेट्स का चयन हुआ है।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....पड़ाव कर्तवी

दिनांक ।.....।.....२०२१...पृष्ठ संख्या.....?.....कॉलम २-३.....

### 'कृषि विज्ञान केंद्र ने मनाया स्वच्छता पखवाड़ा'

मंडी आदमपुर, 31 दिसम्बर (भारतीय) : गांव सदलपुर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के प्रांगण में 16 से 31 दिसम्बर तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया।

केंद्र के कोऑफिनेटर डा. नरेंद्र कुमार ने बताया इस दौरान केंद्र के प्रांगण पर सफाई अभियान, वृक्षों की कटाई-छाटाई, भाषण प्रतियोगिता, पौधरोपण, ऑफिस व आस-पास की सफाई, सफाई पर पौर्णिंग, किचन



गार्डनिंग, वर्मी कॉम्पोस्टिंग आदि विभिन्न प्रकार की गतिविधियां आयोजित की गई (सशक्तिकरण व संरक्षण) कीमत आश्वासन और तथा कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन कृषि सेवा पर करार विधेयक 2020 बिलों पर भी और सरलीकरण) विधेयक, 2020 और कृषक विस्तारपूर्वक चर्चा की।